

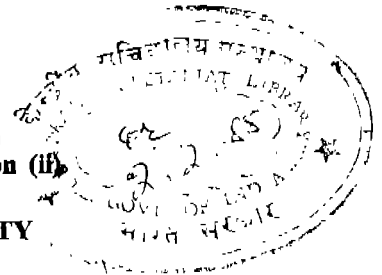


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 501] नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 5, 1987/आश्विन 13, 1909
No. 501] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 5, 1987/ASVINA 13, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1987

अधिसूचना

का.आ. 886(अ) :—जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की
धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, भारत सरकार,
गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) की दिनांक 18 जून, 1981 की

अधिसूचना संख्या 375/11/81-ए.वी.डी. (4) [का.आ. 488(ई)] (श्री एस.के. रे जांच आयोग से संबंधित) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में पैराग्राफ 4 में “6 महीने की अवधि के भीतर” शब्दों के स्थान पर “आयोग के कार्यकरण के संबंध में उच्चतम न्यायालय के स्थगत आदेश की समाप्ति पर 6 महीने की अवधि के भीतर” ये शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[संख्या 375/11/81-ए.वी.डी. (4)]

श्रीमती बी. सेन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 21st September, 1987

NOTIFICATION

S. O. 886 (E).—In exercise of the power conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) No. 375/11/81-AVD. IV-S.O. 488(E), dated the 18th June, 1981, (relating to the Commission of Inquiry consisting of Shri S. K. Ray), namely :—

In the said notification, in paragraph 4 for the words, “within a period of six months”, the words, “within six months after the vacation of the stay order by the Supreme Court on the working of the Commission” shall be substituted.

[No. 375/11/81-AVD.IV]

SMT. B. SEN, Jt. Secy.